डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

गौरैया की सुरक्षा एवं संरक्षण में विवि की पहल देश के लिए मिशाल है-कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के सांस्कृतिक परिषद् के तत्त्वावधान में प्रकृति संरक्षण की दिशा में अभिनव प्रकल्प के तहत महर्षि पतंजलि भवन परिसर में सृजित गौर गौरैया आवासीय कॉलोनी में विश्व गौरैया दिवस

कार्यक्रम आयोजन किया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि पक्षियों का वास हमेशा मनुष्य के समीप ही रहा है. भारतीय परम्परा में पक्षियों को दाना-पानी देने की परम्परा काफी समय पहले से रही है. मनुष्य अपनी जरूरतों के मुताबिक़ जंगलों को काटकर अपने रिहायशी इलाकों का विस्तार करता गया और पक्षियों का आशियाना नष्ट होता गया. प्रकृति का इसी तरह दोहन होता रहा तो पर्यावरणीय संकट गंभीर होते जायेंगे. जैव विविधता मनुष्य के अस्तित्व के लिए आवश्यक है.

उन्होंने कहा कि दुनिया भर में पक्षियों की प्रजातियाँ खतरे में हैं. नीदरलैंड जैसे देश में पक्षियों की कई प्रजातियाँ विलुप्त हो चुकी हैं. कुछ गंभीर खतरे से गुजर रही हैं. गौरैया की संख्या में दुनिया भर में 60 से 70 प्रतिशत तक कमी आ चुकी है. तिनका-तिनका इकठ्ठा कर घोंसला बनाने वाली गौरैया के संरक्षण और पुनर्वास के लिए कदम उठाने चाहिए. बढ़ते प्रदूषण के कारण भी उन पर जीवन संकट है. उनकी त्वचा, जीवनशैली पर भी काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है. पेड़-पौधों की अंधाधुंध कटाई से

पारिस्थितिकीय असंतुलन की स्थिति बन रही है और जैव-विविधता घट रही है. उन्होंने कहा कि गौरैया पक्षी खुशी का प्रतीक है. इनके संरक्षण की दिशा में हमें इसी तरह के अभिनव पहल करने की जरूरत है. नियमित निगरानी के साथ इनकी बढ़ती हुई संख्या पर एक अध्ययन भी किया जा सकता है.

उन्होंने कहा कि चिड़ियों की चहचहाहट से दिन की शुरुआत होने से पूरा दिन मंगलमय बीतता है. गौरैया की सुरक्षा एवं संरक्षण में विवि की पहल देश के लिए मिशाल है. विश्वविद्यालय इस कॉर्नर को और विकसित करने के साथ ही

परिसर में अन्य कई स्थलों को चिन्हित कर गौरैया संरक्षण की दिशा में प्रयास को आगे बढ़ाया जाएगा. उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के बजट में गौरैया के दाना-पानी और पुनर्वास के लिए बजट स्वीकृत कर दिया गया है.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. राकेश सोनी द्वारा किया गया. इस अवसर पर योग विभाग के शिक्षक डॉ अरुण साव, डॉ विवेक जायसवाल, सुरक्षा अधिकारी डॉ हिमांशु, योग एवं संगीत विभाग के शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे.

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in **Website-** www.dhsgsu.edu.in